Paper - V [1769-1859]
Group - A

Q. भूगोल में हम्बोल्ट के योगदान का वर्णन करें?

1769–1859 A.D.

हम्बोल्ट का जन्म बर्लिन में तात्कालिक शाही परिवार में हुआ। बचपन से ही उसकी रुचि भ्रमण एवं विविध विषयों पर ज्ञानार्जन में रही। अठारह वर्ष तक उसका प्रारम्भिक शिक्षा घर पर ही हुआ। इनका बचपन माँ की देख रेख में बिता। उच्च शिक्षा के लिये वे जर्मनी, फ्रैंकफर्ट विश्वविद्यालय गये। अपनी पढ़ाई पुरी करने के बाद 1791 में उसकी सर्वप्रथम नियुक्ति खनिज विभाग में हुई। यहाँ आने पर का लाभ उठाते हुए उसने दक्षिणी जर्मनी की विस्तृत यात्रा की। इस यात्रा काल में वह प्रसिद्ध भूगोल एवं ~~भू~~ भू-विज्ञान वेत्ता गोथे व शिलर के भी सम्पर्क में आया। 1797 में अपनी माँ की मृत्यु के पश्चात उसने उपयुक्त राजकीय सेवा पद से त्याग दिया।

30 वर्षों तक जर्मनी से बाहर रहने के पश्चात रिटर ने विशेष प्रयास एवं जर्मनी के शासक के निमंत्रण पर 1827 में वह पुनः बर्लिन लौटे। यहाँ उनकी नियुक्ति राजा के सलाहकार (चेंबर्लेन) के रूप में हुई। उसका यह पद मंत्री स्तर का था। हम्बोल्ट ने अपने जीवन के अन्तिम 20 वर्ष यही बिताये। यहाँ वह रिटर के सम्पर्क में भी आए। दोनों विद्वानों के बीच निरंतर सम्पर्क रहने से भौगोलिक चिन्तन एवं दर्शन के विकास को महत्वपूर्ण दिशा मिली।

हम्बोल्ट को वर्तमान भूगोल (Modern Geography) का प्रवर्तक और संस्थापक माना जाता है। वह बहुमुखी प्रतिभा का धनी विद्वान था, जिसने भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, वनस्पति भूगोल, मानचित्रकला, शरीर रचना इत्यादि अनेक क्षेत्रों को अपने लेखों और ग्रन्थों में संग्रह किया।

भ्रमण :→ हम्बोल्ट ने बानप्लान्टर के साथ द० अमेरिका तथा अन्य देशों का पाँच वर्षों तक भ्रमण करते हुए 64000 K.m की यात्रा पुरी की। इसने द० अमेरिका के उत्तरी भाग, पूर्व से पश्चिम तट, आमेजन बेसिन और एण्डिज की चोटी तक गये। और मध्य अमेरिका भी गये। उष्ण कटिबंधीय वनस्पति पर उनका लेख प्रकाशित हुआ। फ्रांस से लौटकर उन्होंने — "Society Geography" की स्थापना की। नये दुनिया की अनुभव प्रकाशित किये, जो भूगोल, वनस्पति और मौसम विज्ञान की अमूल्य नीधि है। उन्होंने अमेरिका और अमेजन नदियों के प्रवाह क्षेत्र की खोज की। उसने वेलेन्सिया झील के सुखने के कारण निकटवर्ती क्षेत्रों में वनस्पति का नष्ट होना बताया।

हम्बोल्ट ने Climolometer से पृथ्वी के देशान्तर रेखाओं को दर्शाया। बैरोमीटर से ऊँचाई नापी। आमेजन, ओरोनी का 200 से अधिक खगोलीय केन्द्र स्थापित किये गये। उनका मानचित्र बनाकर लोगों के आदत पर लेख लिखे। आर्थिक तथा राजनैतिक लेखों को इकट्ठा किया। फ्रांस में रहने के समय उनका सम्बंध लाप्लास कानेर आदि विद्वानों से सम्पर्क हुआ और उनका बौद्धिक विकास हुआ। 1829 ई० में रूसी सरकार के आग्रह पर यूराल के